22-07-2023

विवि के अधिकारियों ने एनएसआई के अफसरों संग किया एमओयू। संवाद

अब विवि में पढ़ाई कर सकेंगे एनएसआई के छात्र

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। अब राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के पीजी डीक्यूसीएस डिप्लोमा के छात्रों को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ साइंस एंड बॉयोटेक्नोलॉजी से परास्नातक करने का मौका मिलेगा।

पर्यावरण विज्ञान एवं तकनीकी विषय में लेटरल एंट्री के माध्यम से एनएसआई में पीजी डीक्यूसीएस डिप्लोमा के छात्र अब विवि में एमएससी पर्यावरण विज्ञान एवं तकनीकी के द्वितीय वर्ष में प्रवेश पा सकेंगे। इसके लिए सीएसजेएमयू और एनएसआई के बीच एमओयू साइन हुआ है। विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि भविष्य में दोनों संस्थान पर पर्यावरण पर मिलकर शोध कार्य का आदान प्रदान करेंगे। इस मौके परा प्रति कुलपति डॉ. सुधीर अवस्थी, प्रोफेसर रोली शर्मा, प्रोफेसर वर्षा गुप्ता, डॉक्टर शिल्पा कायस्थ, डॉ अनुराधा कलानी रहीं। (ब्यूरो)

सीएसजेएमयू व एनएसआई के बीच हुआ एमओयू साइन

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 21 जुलाई। सीएसजेएम यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लाइफ साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी के अंतर्गत संचालित पर्यावरण विज्ञान एवं तकनीकी विषय में लेटरल एंट्री के माध्यम से एनएसआई संस्थान के पीजी डीक्यूसीएस डिप्लोमा धारी छात्रों को एमएससी पर्यावरण विज्ञान एवं तकनीकी द्वितीय वर्ष में प्रवेश दिया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की। विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ अकादमिक भवन में हुए कार्यक्रम में एमओयू साइन करने के मौके पर एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने चीनी उद्योगों में पर्यावरण संरक्षण के साथ ही रिसर्च व तकनीकी के बारे में प्रकाश डाला। एनएसआई के डॉ सुधांशु मोहन, डॉ अशोक गर्ग आदि शामिल हुए। भविष्य में दोनों संस्थान मिलकर शोध कार्य का आदान प्रदान करेंगेऔर क्लाइमेट चेंज में पर्यावरण जागरूकता के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा। आज के इस तकनीकी युग एवं बदलते परिवेश में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण , विश्व पटल पर धरती के बढ़ते ताप, जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आपदाओं इतिहास के प्रबंधन के लिए पर्यावरण की शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। सीएसजेएमयू तथा एनएसआई कानपुर के मध्य समझौता पत्र एक और सार्थक प्रयास है दोनों ही संस्थान पर्यावरण के विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। छात्रों के लिए यह प्रयास अत्यंत उपयोगी साबित होगा। इस दौरान विवि के प्रति कुलपति डॉ. सुधीर अवस्थी, प्रो. रोली शर्मा, प्रो. वर्षा गुप्ता, डॉ. शिल्पा कायस्थ, डॉ अनुराधा कालानी एवं सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. द्रौपदी यादव ने किया।

समझौता पत्र दिखाते कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक व निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन।

एनएसआई के छात्रों को एमएससी पर्यावरण विज्ञान एवं तकनीकी द्वितीय वर्ष में मिलेगा सीधे प्रवेश

CSJMU में उच्च शिक्षा पा सकेंगे राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के छात्र

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के पीजी डीक्यूसीएस डिप्लोमाधारी छात्र अब छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में एमएससी पर्यावरण विज्ञान में सीधे द्वितीय वर्ष में प्रवेश पा सकेंगे। सीएसजेएमयू और एनएसआई के बीच शुक्रवार को हुए एमओयू के अनुसार दोनों संस्थान भविष्य में पर्यावरण संरक्षण पर काम करेंगे।

एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय पाठक और शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन। फोटो : एसएनबी

दोनों संस्थानों के बीच एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के बीच शुक्रवार को एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। इस एमओयू के अनुसार सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ लाइफ साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी के तहत संचालित पर्यावरण विज्ञान एवं तकनीकी विषय में लेटरल इंट्री के माध्यम से एनएसआई के पीजी डीक्यूसीएस डिप्लोमाधारी छात्रों को एमएससी पर्यावरण विज्ञान के तकनीकी द्वितीय वर्ष में प्रवेश दिया जायेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने इस समझौते को दोनों संस्थानों के हित में बताया। वहीं, एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने चीनी उद्योगों में पर्यावरण संरक्षण के लिये किये जा रहे तकनीकी प्रयासों की चर्चा की। भविष्य में दोनों संस्थान इस विषय पर मिलकर शोध कार्य करेंगे, जो आने वाले समय में क्लाइमेट चेंज में पर्यावरण जागरूकता के लिये अत्यंत उपयोगी साबित होंगे। मौजूदा तकनीकों दौर में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण, विश्वस्तर पर धरती के बढ़ते तापमान, जलवायु परिवर्तन और बढ़ती आपदाओं के प्रबंधन के लिये पर्यावरण की शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है।

विश्वस्तर और राष्ट्रस्तर पर प्रत्येक संस्थान पर्यावरण के क्षेत्र में अपना सहयोग प्रदान कर रहा है। आने वाले समय में यह समझौता दोनों संस्थानों के छात्रों के लिये अत्यंत उपयोगी साबित होगा। यहां डॉ. द्रोपदी यादव, डॉ. सुधीर कुमार अवस्थी, प्रो. रोली शर्मा, प्रो. वर्षा गुप्ता और डॉ. शिल्पा कायस्थ आदि थे।